वी.यू. द्वारा स्वतंत्रता संग्राम के जननायक बिरसा मुंडा जी की प्रतिमा पर किया गया माल्यार्पण

देशभर में स्वतंत्रता की 75 वर्षगांठ पर आजादी का अमृत महोत्सव मनाया गया, इसी श्रृंखला में राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग भी देश भर के 125 विश्वविद्यालयों में **"स्वतंत्रता संग्राम में जनजातीय नायकों के योगदान"** विषय पर संगोष्ठी आयोजित कर रहा है, इसके तहत डॉक्टर सीता प्रसाद तिवारी, कुलपति, नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय जबलपुर (म.प्र.) के मागदर्शन में 12 सितम्बर 2022, दोपहर 02-00 बजे, एक दिवसीय संगोष्ठी एवं प्रदर्शनी का आयोजन होना सुनिश्चित हुआ है, इस समारोह हेतु विश्वविद्यालय के कुलपति, डॉ. सीता प्रसाद तिवारी, अधिष्ठाता डॉ. आर.के. शर्मा सहित अन्य प्राध्यापकों, छात्रो एवं कर्मचारियों के द्वारा जननायक भगवान् बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं प्रार्थना कार्यक्रम, दिनांक 08 सितम्बर 2022 समय प्रातः 11:00–12:00 बजे बिरसा मुंडा तिराहा आधारताल में किया गया है, बिरसा मुंडा जी ने न केवल अपनी प्रकृति, जंगल, जमीन की रक्षा के लिए लड़ाई लड़ी बल्कि आजादी की लड़ाई में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ब्रिटिश शासन के दौरान उन्होंने 19वीं शताब्दी में जनजाति समाज में बंगाल प्रेसीडेंसी (अब झारखंड) में जनजाति धार्मिक सहस्राब्दी आंदोलन का नेतृत्व किया। इस अवसर पर पशु चिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय के प्राध्यापक गण डॉ. यामिनी वर्मा, डॉ. शशि प्रधान, डॉ. अमोल रोकडे, डॉ. रनवीर सिंह जाटव, डॉ. दीपिका, डॉ. रूपेश वर्मा, डॉ. रश्मि कुलेश, डॉ. शशि तेकाम, डॉ. लक्ष्मी चौहान, डॉ. पूणिमा सिंह, डॉ. माधुरी धुर्वे, डॉ. अमीता दुबे, सूचना एंव जनसंपर्क अधिकारी डॉ. सोना दुबे तथा मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय जबलपुर एवं पशु चिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय जबलपुर के छात्र एवं छात्राऐं की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

कुलपति, डॉ. सीता प्रसाद तिवारी जी के वक्रतव्य, बिरसा मुंडा आदिवासी समाज के एक ऐसे योद्धा रहे हैं जिन्हें जनजाति समूह के लोग तथा आजादी की लड़ाई से जुड़े लोग आज भी उन्हें गर्व से याद करते हैं। इन्होंने अंग्रेजों से लोगों पर होते हुए जुल्म के खिलाफ लोहा लिया। यह जरूरी है कि आज हमारी नई पीढ़ी को अपने इतिहास अपने स्वतंत्रता संग्राम की लड़ाई में शहीद हुए योद्धाओं के बारे में जागरूक कराया जाए।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि, जबलपुर